उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

(Uttar Pradesh Subordinate Services Selection Commission)

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (UP PET 2026) — अभ्यास प्रश्न पत्र

विषय: सामान्य हिंदी

अभ्यास सेट संख्या — 10

कुल प्रश्नों की संख्या	15
कुल अंक	15
समय अवधि	15 मिनट
नकारात्मक अंकन	प्रत्येक गलत उत्तर पर 0.25 अंक की कटौती

परीक्षार्थियों हेतु सामान्य निर्देश (General Instructions)

1. यह प्रश्न पुस्तिका सामान्य हिंदी विषय से संबंधित कुल 15 प्रश्नों पर आधारित है, जिसमें दो गद्यांश (बोध) तथा व्याकरण व साहित्य से संबंधित प्रश्न सम्मिलित हैं।

2. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प (A, B, C, D) दिए गए हैं, जिनमें से केवल एक ही विकल्प सही है। सही विकल्प का चयन कीजिए।

3. प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक प्रदान किया जाएगा तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए निर्धारित नियमानुसार ऋणात्मक (Negative) अंकन किया जाएगा।

4. अनुत्तरित (Not Attempted) प्रश्नों के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा।

5. परीक्षा प्रारंभ होने का संकेत मिलने से पहले प्रश्न पुस्तिका न खोलें।

6. उत्तर पत्रक (OMR Sheet) पर केवल काले अथवा नीले बॉल पॉइंट पेन का ही प्रयोग करें।

7. एक प्रश्न के लिए एक से अधिक विकल्प अंकित करने पर उस प्रश्न का उत्तर गलत माना जाएगा।

8. रफ कार्य केवल प्रश्न पुस्तिका में दिए गए खाली स्थान पर ही करें।

9. परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर अथवा किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है।

10. इस अभ्यास सेट की उत्तरमाला एवं विस्तृत व्याख्या पुस्तिका के अंत में अलग पृष्ठ पर दी गई है; कृपया समस्त प्रश्न हल करने के उपरांत ही उसे देखें।

अभ्यर्थी विवरण (Candidate's Details)

नाम (Name): ____

अनुक्रमांक (Roll No.): _______________________ दिनांक (Date): ____________

सेट संख्या (Set No.): 10

निर्देश (प्र. सं. 1 से 5): निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रकृति हमारी सबसे अच्छी शिक्षिका है, जो बिना कोई शब्द बोले भी हमें जीवन के सबसे गहरे पाठ सिखाती है। वह हमें निस्वार्थ भाव से देना सिखाती है, बिना किसी प्रतिफल की अपेक्षा किए। नदियाँ अपना जल स्वयं नहीं पीतीं, बल्कि वे निरंतर बहकर खेतों, गाँवों और नगरों की प्यास बुझाती हैं, और पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते, बल्कि वे मनुष्यों और पशु-पक्षियों के लिए फल-फूल और छाया प्रदान करते हैं। सूर्य भी बिना किसी भेदभाव के सभी को समान रूप से प्रकाश और ऊर्जा देता है, चाहे वह राजा हो या रंक। यदि मनुष्य प्रकृति के इस निस्वार्थ प्रेम को समझ ले, तो धरती पर कभी कोई भूखा या दुखी नहीं रहेगा, क्योंकि स्वार्थ और लालच ही समस्त सामाजिक असमानताओं और संघर्षों की जड़ हैं। दुर्भाग्यवश आज का मनुष्य प्रकृति की इस सीख को भूलकर संचय और स्वार्थ की दौड़ में लगा हुआ है। अतः हमें प्रकृति से प्रेरणा लेकर त्याग और परोपकार के मार्ग पर चलना चाहिए, तभी एक सुखी और समरस समाज का निर्माण संभव होगा।

1. गद्यांश के अनुसार हमारी सबसे अच्छी शिक्षिका कौन है?
A) किताबें
B) प्रकृति
C) इंटरनेट
D) विद्यालय

2. प्रकृति हमें क्या सिखाती है?
A) स्वार्थ
B) निस्वार्थ भाव से देना
C) क्रोध
D) संचय करना

3. कौन अपना जल स्वयं नहीं पीता?
A) मनुष्य
B) पक्षी
C) नदियाँ
D) जानवर

4. धरती पर कोई भूखा या दुखी कब नहीं रहेगा?
A) जब सब अमीर हो जाएंगे
B) जब मनुष्य प्रकृति के निस्वार्थ प्रेम को समझ लेगा
C) जब कारखाने बढ़ेंगे
D) जब सब शिक्षित होंगे

5. 'निस्वार्थ' का संधि विच्छेद है:
A) निस् + स्वार्थ
B) निः + स्वार्थ
C) निर + स्वार्थ
D) नि + स्वार्थ

निर्देश (प्र. सं. 6 से 10): निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

तकनीक ने संचार के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, जिसने संपूर्ण विश्व को एक वैश्विक ग्राम में परिवर्तित कर दिया है। सोशल मीडिया के माध्यम से आज हम पल भर में दुनिया भर की ख़बरें जान सकते हैं और दूर बैठे अपने प्रियजनों तथा मित्रों से आसानी से जुड़ सकते हैं। व्यापार, शिक्षा और सूचना के प्रसार में भी सोशल मीडिया ने अभूतपूर्व योगदान दिया है, जिससे छोटे व्यवसायी भी वैश्विक बाज़ार तक अपनी पहुँच बना पा रहे हैं। लेकिन इसका अत्यधिक और बेलगाम उपयोग युवाओं में भटकाव और मानसिक तनाव का कारण भी बन रहा है, क्योंकि निरंतर स्क्रीन के सामने बैठे रहने से नींद की कमी, एकाग्रता में कमी और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। तुलनात्मक मानसिकता और झूठी शान दिखाने की प्रवृत्ति ने अनेक युवाओं को अवसाद की ओर धकेल दिया है। इसलिए आवश्यक है कि हम तकनीक और सोशल मीडिया का संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करें, ताकि इसके लाभों का आनंद लेते हुए इसके दुष्प्रभावों से भी बचा जा सके।

6. संचार के क्षेत्र में क्रांति किसने ला दी है?
A) पुस्तकों ने
B) तकनीक ने
C) यातायात ने
D) खेलों ने

7. सोशल मीडिया का क्या लाभ बताया गया है?
A) दुनिया भर की खबरें जानना और दूर बैठे लोगों से जुड़ना
B) भोजन प्राप्त करना
C) घर बैठे पैसे कमाना
D) व्यायाम करना

8. युवाओं में भटकाव और मानसिक तनाव का क्या कारण बन रहा है?
A) पढ़ाई
B) खेल
C) सोशल मीडिया का अत्यधिक और बेलगाम उपयोग
D) परिवार

9. गद्यांश का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A) सोशल मीडिया के सिर्फ फायदे बताना
B) सोशल मीडिया के सिर्फ नुकसान बताना
C) सोशल मीडिया के लाभ और हानि दोनों से अवगत कराना
D) इंटरनेट बंद करने की सलाह देना

10. 'तनाव' शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है?
A) भाववाचक संज्ञा
B) विशेषण
C) क्रिया
D) सर्वनाम

11. 'निश्चल' का सही संधि-विच्छेद है:
A) निस् + चल
B) निः + चल
C) निश + चल
D) नी + चल

12. 'स्वाधीन' का विलोम शब्द है:
A) स्वतंत्र
B) परतंत्र
C) पराधीन
D) गुलाम

13. 'जो जानने की इच्छा रखता हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है:
A) ज्ञानी
B) जिज्ञासु
C) पिपासु
D) मुमुक्षु

14. 'लोहे के चने चबाना' मुहावरे का अर्थ है:
A) मजबूत दाँत होना
B) बहुत कठिन संघर्ष करना
C) लोहे का व्यापार करना
D) भूखा रहना

15. प्रसिद्ध महाकाव्य 'कुरुक्षेत्र' के रचयिता कौन हैं?
A) रामधारी सिंह दिनकर
B) मैथिलीशरण गुप्त
C) जयशंकर प्रसाद
D) महादेवी वर्मा

उत्तरमाला एवं विस्तृत व्याख्या — अभ्यास सेट 10

त्वरित उत्तर कुंजी: 1-B 2-B 3-C 4-B 5-B 6-B 7-A 8-C 9-C 10-A 11-B 12-C 13-B 14-B 15-A

प्र. 1. उत्तर: (B)
प्रकृति बिना बोले ही मनुष्य को त्याग और परोपकार का सबसे बड़ा पाठ पढ़ाती है।

प्र. 2. उत्तर: (B)
प्रकृति हमेशा दूसरों को बिना किसी स्वार्थ के अपना सर्वस्व देती है।

प्र. 3. उत्तर: (C)
कहावत भी है - 'वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, नदी न संचय नीर'।

प्र. 4. उत्तर: (B)
मनुष्य अगर स्वार्थ छोड़ दे तो दुनिया की सभी समस्याएं हल हो सकती हैं।

प्र. 5. उत्तर: (B)
निः + स्वार्थ = निस्वार्थ। यह विसर्ग संधि का उदाहरण है।

प्र. 6. उत्तर: (B)
टेक्नोलॉजी ने सूचनाओं के आदान-प्रदान (संचार) को बहुत तेज़ कर दिया है।

प्र. 7. उत्तर: (A)
सोशल मीडिया ने दुनिया को एक ग्लोबल गांव (Global Village) बना दिया है।

प्र. 8. उत्तर: (C)
किसी भी चीज़ की अति बुरी होती है, सोशल मीडिया की लत भी तनाव का कारण है।

प्र. 9. उत्तर: (C)
लेखक ने इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर प्रकाश डाला है।

प्र. 10. उत्तर: (A)
तनाव (Stress) एक महसूस करने वाली अवस्था है, इसलिए यह भाववाचक संज्ञा है।

प्र. 11. उत्तर: (B)
निः + चल = निश्चल। विसर्ग के बाद 'च' आने पर विसर्ग 'श्' में बदल जाता है।

प्र. 12. उत्तर: (C)
स्व + अधीन = स्वाधीन (खुद के अधीन)। इसका विलोम पर + अधीन = पराधीन होगा।

प्र. 13. उत्तर: (B)
जानने की इच्छा 'जिज्ञासा' कहलाती है, और रखने वाला 'जिज्ञासु'।

प्र. 14. उत्तर: (B)
जब कोई काम बहुत मुश्किल हो, तो उसे करने को लोहे के चने चबाना कहते हैं।

प्र. 15. उत्तर: (A)
दिनकर जी ने 'कुरुक्षेत्र' में युद्ध और शांति के दर्शन का बहुत ओजस्वी वर्णन किया है।